भारत सरकार
आयुष मंत्रालय

राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 970
26 जुलाई, 2022 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

देश में योग और प्राकृतिक चिकित्सा पेशेवर

970. श्रीमती फूलो देवी नेतम:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) देश में योग और प्राकृतिक चिकित्सा व्यवसायियों की वर्ष-वार संख्या का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या यह सच है कि देश में योग और प्राकृतिक चिकित्सा पेशेवरों को अपना चिकित्सा पेशा आरंभ करने से पहले पंजीकरण कराने की आवश्यकता नहीं है;

(ग) यदि हां, तो योग और प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति को शासित करने के लिए कोई अधिनियम न होने के क्या कारण हैं;

(घ) क्या यह सच है कि 17 राज्यों ने योग और प्राकृतिक चिकित्सा पेशेवरों के लिए अपने स्वयं के पंजीकरण नियम पारित किए हैं; और

(ड़) यदि हां, तो सरकार की विभिन्न राज्यों में पंजीकरण के असमान प्रभाव से निपटने की क्या योजना है?

उत्तर
आयुष मंत्री (श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क): आयुष मंत्रालय के वार्षिक सांख्यिकीय प्रकाशन नामत: 'आयुष इन इंडिया-2020' के अनुसार, 2016 से 2020 तक देश में पंजीकृत बैचलर ऑफ नेचुरोपैथी एंड योगिक साइंसेज (बीएनवाईएस) चिकित्सकों की कुल संख्या नीचे दी गई है:

वर्ष	बीएनवाईएस चिकित्सकों की कुल संख्या
2016	2220
2017	2242
2018	2485
2019	2383
2020	4097

डेटा स्रोत: राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारें

(ख) से (ङ): वर्तमान में, योग और प्राकृतिक चिकित्सा के विनियमन के लिए कोई केंद्रीय स्तर का कानून नहीं है। चूंकि जन-स्वास्थ्य राज्य का विषय है, इसलिए राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकारें योग और प्राकृतिक चिकित्साभ्यासियों के पंजीकरण के लिए कानून बना सकती हैं। इसके अलावा, वर्ष 2006 में आयुष मंत्रालय ने प्राकृतिक चिकित्साभ्यासियों के पंजीकरण तथा प्राकृतिक चिकित्सा संस्थानों के प्रत्यायन के लिए सभी राज्य एवं संघ राज्य क्षेत्र सरकारों को विस्तृत दिशानिर्देश जारी किए हैं। उक्त दिशानिर्देशों में, आयुष मंत्रालय ने सभी राज्य एवं संघ राज्य क्षेत्र सरकारों से प्राकृतिक चिकित्सा के विनियमन के लिए व्यापक कानून बनाने का अनुरोध किया है।

*****